

राज्यपाल सचिवालय

लोकभवन, राजस्थान

माइनिंग इंजीनियर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया द्वारा "विजन 2047- माइनिंग एंड मिनरल्स पर्सपेक्टिव" विषयक अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित

विकसित भारत 2047 में खनिज उद्योग की रहेगी महत्वपूर्ण भूमिका

खनिज उद्योग के विकास के साथ खनन श्रमिकों की दशाओं में सुधार के लिए भी कार्य हो-राज्यपाल

जयपुर, 15 फरवरी। राज्यपाल श्री हरिभाऊ बागडे ने कहा कि खनिज उद्योग के समग्र विकास के साथ सुरक्षित खनन और पर्यावरण संरक्षण हमारी प्राथमिकता बने। उन्होंने कहा कि विकसित भारत की संकल्पना सबका साथ सबका विकास से ही संभव है। इस आलोक में खनिज उद्योग में कार्यरत श्रमिकों की स्वास्थ्य सुरक्षा के साथ उनके बीमा और अन्य सुविधाओं को ध्यान में रखकर कार्य किया जाए। उन्होंने खनन उद्योग से देश की आर्थिक समृद्धि के लिए प्रभावी रणनीतियों के तहत कार्य किए जाने का भी आह्वान किया।

श्री बागडे रविवार को एक निजी होटल में माइनिंग इंजीनियर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया के राजस्थान चैप्टर द्वारा आयोजित "विजन 2047- माइनिंग एंड मिनरल्स पर्सपेक्टिव" विषयक अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने खनिज उद्योग में पारंपरिक भारतीय प्रौद्योगिकी के साथ आधुनिक तकनीक से सुरक्षित खनन के लिए कार्य किए जाने पर जोर दिया।

उन्होंने कहा कि विकसित भारत के लिए सुनियोजित रूप में कार्य किया जा रहा है। भारत डिजिटल तकनीक क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ रहा है। सामाजिक सुधार और गरीबी उन्मूलन के अंतर्गत देश में 80 करोड़ लोगों को मुफ्त अनाज की सुविधा केंद्र सरकार दे रही है। गरीबी रेखा से 25 करोड़ लोग ऊपर आ गए हैं। केंद्र सरकार जिस तरह से प्रयास कर रही है, उससे सभी क्षेत्रों में लोगों के विकास की राह बनी है।

राज्यपाल ने माइनिंग इंजीनियर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया द्वारा खनिज उद्योग के विकास से स्थानीय अर्थव्यवस्था के सुदृढ़ीकरण के लिए कार्य करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि राजस्थान में गौपालन में तो बहुत काम हो रहा है परंतु पता नहीं क्यों नंदी की उपेक्षा है। उन्होंने महाशिवरात्रि पर नंदी संरक्षण के लिए भी कार्य किए जाने पर जोर दिया।

राज्यपाल श्री बागडे ने इस दौरान विशिष्टजनों को सम्मानित भी किया।





